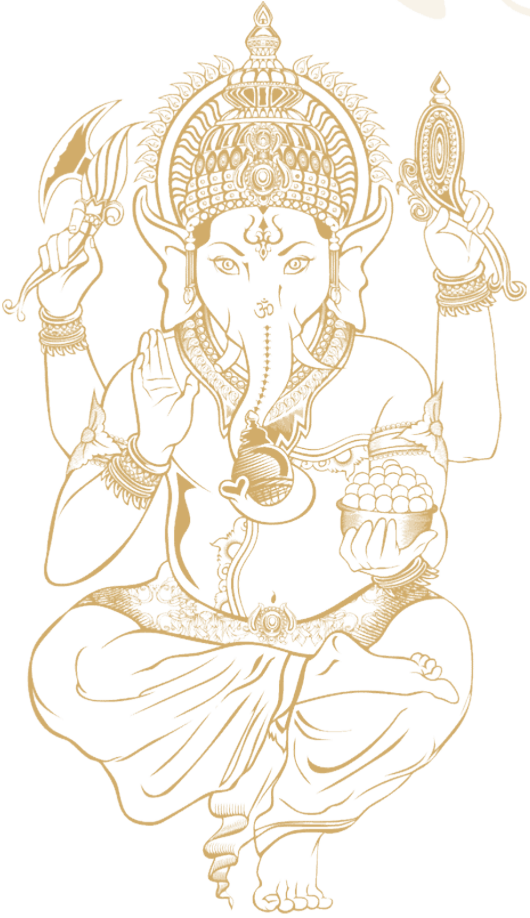

Mr.

14 Feb 2026

05:03 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121634903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/02/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**17:03:00 घंटे**
इष्ट	25:07:52 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:42:44 घंटे
वेलान्तर	-00:14:10 घंटे
साम्पातिक काल	02:20:45 घंटे
सूर्योदय	06:59:51 घंटे
सूर्यास्त	18:09:24 घंटे
दिनमान	11:09:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:33:17 कुम्भ
लग्न के अंश	18:10:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्धि
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	18:10:25	307:23:43	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			कुंभ	01:33:17	01:00:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	26:02:15	12:23:22	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल		अ	मक	23:05:05	00:47:12	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	उच्च राशि
बुध			कुंभ	18:16:30	01:29:39	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:50:45	00:04:41	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	10:51:01	01:15:07	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	05:49:42	00:06:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:46:58	00:01:55	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:46:58	00:01:55	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:17:01	00:00:33	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:19:18	00:01:57	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:53:31	00:01:49	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	13:19:12	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

लग्न-चलित

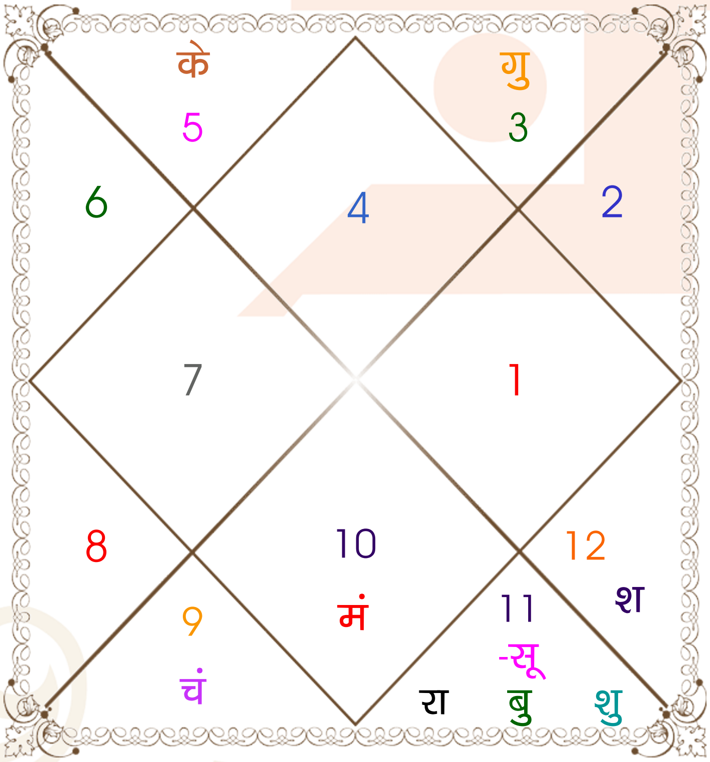

चन्द्र कुंडली

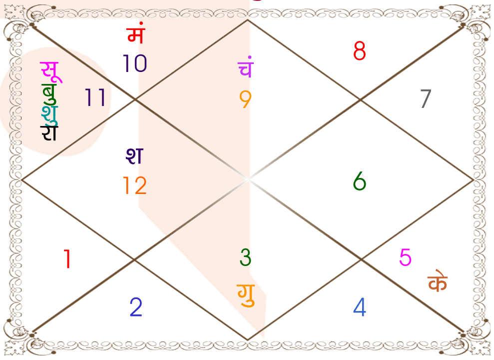

नवमांश कुंडली

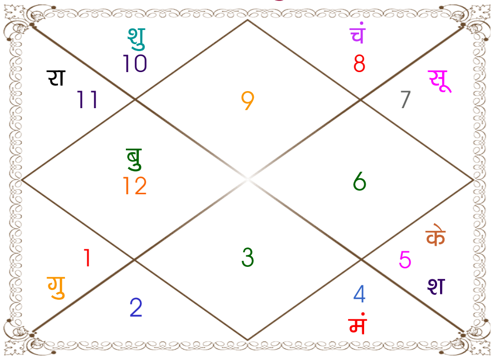

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 11 मास 9 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/02/2026		25/01/2027		24/01/2033		25/01/2043		25/01/2050	
25/01/2027		24/01/2033		25/01/2043		25/01/2050		25/01/2068	
	00/00/0000	सूर्य	15/05/2027	चंद्र	25/11/2033	मंगल	23/06/2043	राहु	07/10/2052
	00/00/0000	चंद्र	13/11/2027	मंगल	26/06/2034	राहु	11/07/2044	गुरु	02/03/2055
	00/00/0000	मंगल	20/03/2028	राहु	26/12/2035	गुरु	17/06/2045	शनि	06/01/2058
	00/00/0000	राहु	12/02/2029	गुरु	26/04/2037	शनि	26/07/2046	बुध	26/07/2060
	00/00/0000	गुरु	01/12/2029	शनि	25/11/2038	बुध	24/07/2047	केतु	13/08/2061
	00/00/0000	शनि	13/11/2030	बुध	26/04/2040	केतु	20/12/2047	शुक्र	13/08/2064
	00/00/0000	बुध	19/09/2031	केतु	25/11/2040	शुक्र	18/02/2049	सूर्य	08/07/2065
	14/02/2026	केतु	25/01/2032	शुक्र	26/07/2042	सूर्य	26/06/2049	चंद्र	07/01/2067
केतु	25/01/2027	शुक्र	24/01/2033	सूर्य	25/01/2043	चंद्र	25/01/2050	मंगल	25/01/2068

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/01/2068		25/01/2084		26/01/2103		26/01/2120		26/01/2127	
25/01/2084		26/01/2103		26/01/2120		26/01/2127		15/02/2146	
गुरु	14/03/2070	शनि	28/01/2087	बुध	24/06/2105	केतु	23/06/2120	शुक्र	27/05/2130
शनि	25/09/2072	बुध	07/10/2089	केतु	21/06/2106	शुक्र	23/08/2121	सूर्य	28/05/2131
बुध	01/01/2075	केतु	16/11/2090	शुक्र	21/04/2109	सूर्य	29/12/2121	चंद्र	25/01/2133
केतु	08/12/2075	शुक्र	16/01/2094	सूर्य	25/02/2110	चंद्र	30/07/2122	मंगल	28/03/2134
शुक्र	08/08/2078	सूर्य	29/12/2094	चंद्र	28/07/2111	मंगल	27/12/2122	राहु	27/03/2137
सूर्य	27/05/2079	चंद्र	29/07/2096	मंगल	24/07/2112	राहु	14/01/2124	गुरु	26/11/2139
चंद्र	25/09/2080	मंगल	07/09/2097	राहु	10/02/2115	गुरु	20/12/2124	शनि	26/01/2143
मंगल	01/09/2081	राहु	15/07/2100	गुरु	18/05/2117	शनि	29/01/2126	बुध	26/11/2145
राहु	25/01/2084	गुरु	26/01/2103	शनि	26/01/2120	बुध	26/01/2127	केतु	15/02/2146

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 11 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देशियत लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल

है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।